मौसम

कुछ मिनटों की बारिश से सड़कें लबालब, खाद-बीज की किल्लत और बारिश की बेरुखी से किसान परेशान

रिमझिम फुहारों से लोगों को उमस से मिली राहत

मंडला। महीनों की झुलसाती गर्मी और तीखी उमस के बाद शुक्रवार को मंडला शहर सहित जिले के कई ग्रामीण इलाकों में रिमझिम बारिश ने दस्तक दी। कुछ मिनटों की इन फुहारों ने लोगों को भीषण गर्मी से बड़ी राहत दी। पारा लुढ़कते ही बाजारों में रौनक लौट आई और बच्चों ने सड़कों पर जमा पानी में कागज की नावें तैराई। हालांकि, इस शुरुआती राहत ने जहां आमजन को सुकून दिया, वहीं दूसरी ओर किसानों की चिंता और नगर पालिका के दावों की पोल भी खोल दी।

नगरपालिका परिषद मंडला की बारिश पूर्व तैयारियों की कमजोरी पहली ही रिमझिम में खुलकर सामने आ गई। महज कुछ मिनटों की फुहारों से ही शहर की सड़कों पर जगह-जगह पानी भर गया। नागरिकों का कहना है कि यदि प्रशासन और नगर पालिका अभी भी नहीं जागे, तो आगामी दिनों में तेज बारिश होने पर शहरवासियों को निश्चित रूप से बाढ़ जैसी गंभीर समस्याओं का सामना करना पड़ेगा।

किसान बोले यह बारिश सिर्फ धोखा है

मौसम में आए इस बदलाव से आम लोगों को तो राहत मिली, लेकिन खेतों में हल जोते बैठे किसानों के चेहरे पर मायूसी और गहरी हो गई है। किसानों का साफ कहना है कि खरीफ की बुवाई के लिए यह रिमझिम बारिश ऊंट के मुंह में जीरे के समान है। घुघरी के किसान श्रवण कुमार यादव ने बताया धान का रोपा डालने के लिए खेतों में अच्छा-खासा पानी भरना जरूरी है। वहीं सिंगारपुर के किसान अजय बैरागी का कहना है कि इस बौछार से सिर्फ ऊपरी मिट्टी गीली हुई है, अभी मक्के की बोनी भी नहीं हो सकी है। यदि आने वाले हफ्ते में झमाझम बारिश नहीं हुई, तो बुवाई 15 दिन लेट हो जाएगी, जिसका सीधा असर आने वाली रबी की फसल पर भी पड़ेगा।

महंगाई और बुवाई में देरी से दोहरी मार का डर

कृषि विभाग के आंकड़े भी तस्दीक कर रहे हैं कि जिले में अब तक सामान्य से बेहद कम बारिश हुई है। सिंगारपुर के प्रगतिशील किसान पीडी खैरवार ने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि महंगे दामों पर खाद-बीज खरीदकर बैठा किसान आसमान ताकते हुए पूरा पखवाड़ा बिता चुका है। बारिश और कितना इंतजार कराएगी, इसका कोई सही अनुमान नहीं है।

बबलिया नैझर के किसान हेमराज मसराम ने कहा कि बुवाई लेट होने से फसलों में कीटों का प्रकोप बढ़ेगा और पैदावार घटेगी, जिससे महंगे बीज-खाद का कर्ज चुकाना भारी हो जाएगा। इसके अलावा, बारिश की देरी से मवेशियों के लिए हरे चारे का संकट भी लगातार गहराता जा रहा है। किसानों ने प्रशासन के इंतजामों पर भी गंभीर सवाल उठाए हैं। किसानों का कहना है कि प्रशासन की आकस्मिक फसल योजना सिर्फ कागजों पर है। डीजल पर्याप्त मात्रा में न मिलने से ट्रैक्टरों से जुताई ठप पड़ी है। चारागाह सिमटने से अब किसानों के पास बैल भी नहीं बचे हैं, जिससे खेती पूरी तरह मशीनों पर निर्भर है। इस वर्ष ऑनलाइन टोकन बुकिंग और कमजोर सर्वर के कारण समितियों से खाद नहीं मिल पा रही है। कई केंद्रों पर तो स्टॉक ही खत्म है। खुले बाजार में बीज और खाद के अनाप-शनाप दाम वसूले जा रहे हैं। वहीं कृषि विभाग द्वारा दिए जा रहे सरकारी बीजों की गुणवत्ता पर किसानों को भरोसा नहीं है, जिससे कम उपज का डर सता रहा है।

आषाढ़ की शुरुआत, मंडला में सिर्फ बारिश ही सहारा

बुजुर्ग और अनुभवी किसानों का अनुमान है कि अगले 48 घंटों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, लेकिन जरूरत झमाझम बारिश की है। किसान याद दिलाते हैं कि ज्येष्ठ का महीना खत्म होने में सिर्फ तीन दिन बचे हैं और आषाढ़ शुरू होने वाला है। पिछले वर्ष इस समय तक बोनी पूरी हो चुकी थी। मंडला जिले में सिंचाई के लिए बारिश का कोई मजबूत विकल्प नहीं है।

महुआ के पेड़ से लटका मिला अधेड़ का शव

रात को टहलने निकला था मृतक, सुबह ग्रामीणों ने देखा, जांच में जुटी पुलिस

निवास। मंडला जिले के निवास थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम करौंदी में शुक्रवार सुबह उस वक्त सनसनी फैल गई, जब ग्रामीणों ने एक अधेड़ व्यक्ति का शव फांसी के फंदे पर लटका हुआ देखा। घटना की खबर लगते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलने पर तत्काल पहुंची निवास थाना पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले को जांच में ले लिया है।

जानकारी अनुसार शुक्रवार की सुबह ग्राम करौंदी में स्थित जायका ढाबा के पास एक महुआ के पेड़ पर ग्रामीणों की नजर पड़ी, जहां एक व्यक्ति का शव फंदे से लटक रहा था। ग्रामीणों ने बिना देर किए इसकी सूचना तुरंत निवास पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को फंदे से नीचे उतरवाया। मृतक की पहचान शहजान कुशराम उम्र लगभग 42 वर्ष, पिता स्व. सुंदर कुशराम के रूप में हुई है, जो कि ग्राम करौंदी का ही निवासी था और मजदूरी कर अपना जीवनयापन करता था।

मृतक के पुत्र प्रदीप ने बताया कि उसके पिता शहजान गुरुवार की रात को हमेशा की तरह खाना खाने के बाद बाहर घूमने की बात कहकर घर से निकले थे। जब वे देर रात तक वापस नहीं लौटे, तो परिजनों को ज्यादा चिंता नहीं हुई। परिजनों का सोचना था कि वे पहले भी कई बार बिना बताए कहीं चले जाते थे और अगले दिन खुद ही वापस लौट आते थे। इसी उम्मीद में परिवार के लोग रात को सो गए थे, लेकिन सुबह सीधे उनकी मौत की खबर सामने आई।

पीएम के बाद शव परिजनों को सौंपा

निवास थाना पुलिस टीम ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण करने के बाद शव का पंचनामा तैयार किया। इसके बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद उसे अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया है। निवास पुलिस घटना के असली कारणों का पता लगाने के लिए मृतक के परिजनों और ग्रामीणों से लगातार पूछताछ कर मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

87 पुरुषों और 13 महिलाओं ने किया 100 यूनिट रक्त दान

संत निरंकारी फाउंडेशन के शिविर में रक्तदाताओं ने पेश की मानवता की मिसाल

मंडला। मानव एकता दिवस के पावन अवसर पर स्थानीय संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के तत्वाधान में एक विशाल रक्तदान शिविर का सफल आयोजन किया गया। मानवता की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है के संकल्प के साथ आयोजित इस शिविर में पुरुषों, महिलाओं और युवाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। शिविर के दौरान कुल 100 यूनिट रक्त एकत्रित कर जिला चिकित्सालय मंडला के ब्लड बैंक को सुपुर्द किया गया, जो जरूरतमंद मरीजों के लिए जीवनदायिनी साबित होगा।

जानकारी अनुसार रक्तदान शिविर विधिवत शुभारंभ मुख्य अतिथि 148 बटालियन के द्वितीय कमान अधिकारी रत्नेश कुमार सिंह ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर रक्तदाताओं का हौसला बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि रक्तदान दुनिया का सबसे बड़ा महादान है। हमारे द्वारा दान की गई रक्त की एक-एक बूंद से कई जरूरतमंद लोगों का अमूल्य जीवन बचाया जा सकता है। समाज के प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति को समय-समय पर इस मानवीय कार्य के लिए आगे आना चाहिए।

चिकित्सकीय टीम रही उपस्थित

शिविर को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए जिला चिकित्सालय मंडला की विशेष टीम मौजूद रही। इसमें मुख्य रूप से सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे, पैथोलॉजी विशेषज्ञ डॉ. योगेश सिरश्याम एवं जिला ब्लड बैंक का सहयोगी स्टाफ शामिल था, जिन्होंने पूरी सजगता के साथ रक्त संग्रहण का कार्य किया।

सेवादारों ने संभाली कमान

शिविर की सफलता में संत निरंकारी चैरिटेबल फाउंडेशन के पदाधिकारियों एवं सेवादारों की प्रबंधन व्यवस्था सराहनीय रही। संस्था की ओर से रक्तदाताओं के स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखते हुए उनके लिए स्वल्पाहार, भोजन, चाय, जूस, फल और रक्तदान के बाद आराम करने के लिए उत्कृष्ट व्यवस्थाएं की गईं।

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित वक्ताओं ने फाउंडेशन के इस प्रयास की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज में आपसी सहयोग, संवेदना, और भाईचारे की भावना को मजबूत करते हैं। 87 पुरुषों और 13 महिलाओं द्वारा किया गया यह कुल 100 यूनिट का रक्तदान जिला अस्पताल में आपातकालीन समय पर मरीजों के लिए बेहद मददगार साबित होगा।

रसोइयों के जून का मानदेय अटका, दिया अल्टीमेटम

मंडला। स्कूलों में नौनिहालों को गरम-गरम खाना परोसने वाली रसोइयों के अपने घर का चूल्हा आज खुद ठंडा पड़ा है। रसोइया उत्थान संघ समिति जिला मंडला के संस्थापक पीडी खैरवार के नेतृत्व में रसोइयों ने मुख्यमंत्री और मुख्य कार्यपालन अधिकारी के नाम ज्ञापन सौंपा है। इस 9 सूत्रीय मांग पत्र के जरिए वर्षों से लंबित मांगों को शीघ्र पूरा करने की गुहार लगाई गई है। संघ ने सरकार पर आरोप लगाया है कि पिछले 5 वर्षों से उन्हें जून महीने का मानदेय नहीं दिया जा रहा है, जबकि जून की तपती धूप में भी उनसे काम लिया जाता है। मार्च-अप्रैल का वेतन भी गायब, उधारी में कट रही जिंदगी : संघ के जिला अध्यक्ष कुंवर सिंह मरकाम ने बताया कि रसोइयों को मार्च और अप्रैल 2026 का मानदेय भी आज तक नसीब नहीं हुआ है। उन्होंने आक्रोश जताते हुए कहा हम दूसरों के बच्चों को खाना खिलाएं या अपने बच्चों का पेट भरें, हमारी जिंदगी उधारी के भरोसे कट रही है। रसोइयों ने साफ लफ्जों में चेतावनी दी है कि अब वे बंधुआ मजदूरी या चाकरी नहीं करेंगे। उनकी मुख्य मांग है कि रसोइयों को शासकीय चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी का दर्जा देकर सम्मानजनक वेतन और सभी सरकारी सुविधाएं प्रदान की जाएं। इसके साथ ही आयु सीमा के अलावा किसी भी अन्य बहाने से रसोइयों को स्कूलों से बाहर न निकाला जाए।

डिजिटल अरेस्ट और ऑनलाइन ठगी से बचाव के बताए गुर

मंडला। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में जिलेभर में संचालित सेफ क्लिक 2.0 साइबर जागरूकता अभियान-2026 के तहत गुरुवार को एक वृहद जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत जिले के विभिन्न थाना और चौकी क्षेत्रों के स्कूलों, कॉलेजों और ग्रामीण इलाकों में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और आम नागरिकों को साइबर अपराधों से बचाव के प्रति जागरूक किया गया।

अभियान के दौरान नैनपुर, टिकरिया, नारायणगंज, निवास, बिछिया, मोचा, मोहगांव, घुघरी, मनेरी, चाबी, पिंडरई, कालपी और हृदयनगर सहित कई क्षेत्रों के प्रमुख शिक्षण संस्थानों में विशेष सत्र आयोजित किए गए।

इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने वर्तमान में बढ़ रहे डिजिटल अरेस्ट, यूपीआई, बैंकिंग धोखाधड़ी, सोशल मीडिया फ्रॉड, फर्जी लिंक, एपीके फाइलें और फिशिंग हमलों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। टिकरिया और नारायणगंज में छात्रों के लिए साइबर क्विज प्रतियोगिता आयोजित कर विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। विशेषज्ञों ने आमजन को किसी भी सूरत में अपना ओटीपी या पासवर्ड साझा न करने की सलाह दी।

कम उपस्थिति और गंदगी पर भड़के संयोजक, सुधार के दिए निर्देश

राजा शंकर शाह उत्कृष्ट छात्रावास का निरीक्षण

मंडला। राजा शंकर शाह रघुनाथ शाह उत्कृष्ट बालक छात्रावास में अव्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। हाल ही में क्षेत्रीय संयोजक विष्णु सिंगौर द्वारा इस उत्कृष्ट बालक छात्रावास का औचक निरीक्षण किया गया, जिसमें कई गंभीर कमियां और अनियमितताएं सामने आईं।

निरीक्षण के दौरान पाया गया कि छात्रावास में स्वीकृत 50 सीटों के मुकाबले मौके पर मात्र 13 छात्र ही उपस्थित थे। छात्रों की इस बेहद कम संख्या पर कड़ी नाराजगी जताते हुए क्षेत्रीय संयोजक ने अधीक्षक को सख्त लहजे में निर्देशित किया कि आगामी जुलाई माह से सभी पंजीकृत विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति हर हाल में सुनिश्चित की जाए।

साफ-सफाई का अभाव, खिड़की-दरवाजों की मरम्मत के दिए आदेश : निरीक्षण के दौरान पूरे छात्रावास परिसर में साफ-सफाई की भारी कमी देखी गई। इसे लेकर अधीक्षक को परिसर की समुचित साफ-सफाई कराने और भवन के खराब हो चुके खिड़की-दरवाजों की आवश्यक मरम्मत तुरंत कराने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही, आगामी वर्षा बारिश के मौसम को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के लिए जरूरी खाद्यान्न का एडवांस भंडारण सुरक्षित करने को कहा गया, ताकि मौसम खराब होने पर बच्चों को परेशानी न हो। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य और उन्हें गुणवत्तापूर्ण व संतुलित भोजन देने के उद्देश्य से क्षेत्रीय संयोजक ने एक महत्वपूर्ण निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि अब से छात्रों के भोजन में नियमित रूप से रोटियां तैयार कर परोसी जाएं, जिससे उन्हें घर जैसा पोषण मिल सके। निरीक्षण में एक और बड़ी प्रशासनिक गड़बड़ी सामने आई। संस्था में चतुर्थ श्रेणी के 3 पद स्वीकृत हैं, लेकिन नियमों के विरुद्ध यहाँ 4 कर्मचारी कार्यरत पाए गए। इस पर संज्ञान लेते हुए क्षेत्रीय संयोजक ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी के माध्यम से अतिरिक्त एक चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी को आवश्यकतानुसार अंग्रेजी माध्यम बालक आश्रम में समायोजित करने के निर्देश जारी किए हैं।

कैफे के बेसमेंट में चल रहा था अवैध शराब का कारोबार

सुकून कैफे से भारी मात्रा में अवैध शराब जब्त, ढाबा संचालक गिरफ्तार

मंडला। जिले में अवैध शराब के क्रय-विक्रय और परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी द्वारा चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत महाराजपुर थाना पुलिस को एक बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ग्राम रामबाग स्थित एक कैफे पर दबिश देकर भारी मात्रा में अवैध देशी और अंग्रेजी शराब जब्त की है। यह पूरी कार्रवाई अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा के निर्देशन एवं एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा के मार्गदर्शन में अंजाम दी गई।

जानकारी अनुसार 24 जून को महाराजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव को मुखबिर से पुख्ता सूचना मिली थी कि ग्राम रामबाग स्थित सुकून कैफे/ढाबा में एक व्यक्ति द्वारा बेचने के उद्देश्य से बड़ी मात्रा में अवैध शराब छुपाकर रखी गई है। सूचना की तस्दीक करते हुए पुलिस टीम ने तत्काल कैफे पर योजनाबद्ध तरीके से दबिश दी। तलाशी के दौरान कैफे के नीचे बने एक कमरे (बेसमेंट) से विभिन्न नामी ब्रांडों की अंग्रेजी व देशी शराब की बोतलें, केन और क्वार्टर बरामद किए गए। मौके से पुलिस ने कुल 56.220 लीटर अवैध शराब जब्त की, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 38 हजार 310 रूपए आंकी गई है।

आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज

पुलिस ने मौके से अवैध शराब को अपने कब्जे में लेते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपी की पहचान आनंद कछवाहा 40 वर्ष, पिता स्वर्गीय मोहन कछवाहा, निवासी डॉ. राजेन्द्र प्रसाद वार्ड, मंडला के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ आबकारी अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया है। पुलिस अब यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इतनी बड़ी मात्रा में शराब कहाँ से लाई गई थी।

कार्रवाई में शामिल पुलिस टीम

इस पूरी छापामार कार्रवाई में एसडीओपी मंडला पीयूष मिश्रा के नेतृत्व में महाराजपुर थाना प्रभारी निरीक्षक डॉ. जयसिंह यादव, उपनिरीक्षक नागेन्द्र पटेल, सहायक उपनिरीक्षक रमेश पाल, प्रधान आरक्षक विजय, चन्द्रशेखर, आरक्षक अमित गरयार, सुन्दर भलावी, शिवा नाविक, विष्णु जंभारे एवं महिला आरक्षक पूजा यादव की विशेष और सराहनीय भूमिका रही।

सेफ क्लिक 2 .0 अभियान शुरू, मंत्री उइके और सांसद कुलस्ते ने दिखाई हरी झंडी

विवेचकों को बांटे गए हाईटेक टैबलेट

मंडला। पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन में मंडला जिला पुलिस द्वारा सेफ क्लिक साइबर जागरूकता अभियान का शुभारंभ किया गया। 8 जुलाई तक चलने वाले इस विशेष अभियान की शुरुआत वीरांगना रानी दुर्गावती के बलिदान दिवस पर रपटा घाट स्थित उनकी प्रतिमा के समक्ष आयोजित गरिमापूर्ण कार्यक्रम से हुई।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से कैबिनेट मंत्री सम्पतिया उइके, सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते, कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे, एसपी राजेश रघुवंशी सहित जिले के आला अधिकारी और जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री द्वारा पुलिस विवेचकों को हाईटेक कार्यप्रणाली के लिए टैबलेट वितरित किए गए। इस मौके पर बढ़ते साइबर अपराधों पर अंकुश लगाने रुको, सोचो, फिर कार्रवाई करो तय किया गया है। पुलिस द्वारा बिछिया और निवास अनुभाग सहित जिले भर में सरकारी योजना, फर्जी लोन ऐप, डिलीवरी मैसेज, डिजिटल अरेस्ट, निवेश ठगी और सोशल मीडिया फ्रॉड से बचने के तरीके सिखाए जा रहे हैं।

अवैध रेत उत्खनन पर कार्रवाई, तीन वाहन जब्त

मंडला। जिले में अवैध रेत उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। कलेक्टर श्री राहुल नामदेव धोटे के निर्देशानुसार खनिज विभाग ने प्राप्त शिकायतों के आधार पर 24 जून को मंडला एवं डिंडौरी क्षेत्र में संयुक्त निरीक्षण एवं सघन अभियान चलाते हुए अवैध रेत उत्खनन और परिवहन में संलिप्त तीन वाहनों को जब्त किया।

कार्रवाई के दौरान खनिज विभाग की टीम ने डम्पर क्रमांक एमपी 20 एक्ससी 9155, ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 51 एए 6007 तथा ट्रैक्टर क्रमांक एमपी 51 एबी 2031 को अवैध रेत परिवहन एवं उत्खनन में संलिप्त पाए जाने पर जब्त किया। जब्त किए गए सभी वाहनों को शासकीय अभिरक्षा में संबंधित थाना एवं चौकी प्रभारियों के सुपुर्द कर दिया गया है। खनिज विभाग द्वारा जब्त वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के तहत प्रकरण दर्ज कर नियमानुसार सक्षम न्यायालय में प्रस्तुत किए जाने की कार्रवाई की जा रही है। यह कार्रवाई खनिज निरीक्षक एवं खनिज विभाग के अमले द्वारा संयुक्त रूप से संपादित की गई।

विहार

मुनि श्री निर्वेग सागर जी ससंघ की अगवानी में उमड़ा जनसैलाब

पिंडरई में पहली बार एक साथ हुआ सप्त ऋषिराजों का मंगल प्रवेश

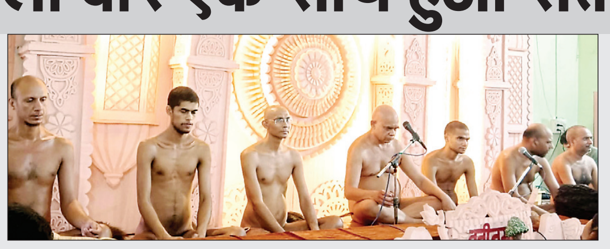

नैनपुर। लघु तीर्थ क्षेत्र और व्रती नगरी के रूप में विख्यात नैनपुर विकासखंड के पिंडरई में शुक्रवार की शाम एक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक गौरव का क्षण दर्ज हुआ। संत शिरोमणि आचार्य भगवन श्री 108 विद्यासागर जी महाराज के परम प्रभावी शिष्य एवं विद्या शिरोमणि आचार्य महाराज श्री समयसागर महाराज के आज्ञानुवर्ती मुनिराज, पाठशाला प्रणेता पूज्य मुनि श्री निर्वेग सागर महाराज ससंघ का नगर में प्रथम बार भव्य मंगल प्रवेश हुआ। व्रती नगरी के इतिहास में यह पहला सौभाग्यशाली अवसर था, जब एक साथ सप्त ऋषिराजों का पावन आगमन हुआ।

बताया गया कि मुनि संघ के नगर आगमन को लेकर सकल दिगंबर जैन समाज में भारी उत्साह देखा गया। जैसे ही मुनि संघ की मंगल विहारी मंडली ने नगर की सीमा में प्रवेश किया, भक्तों ने जयकारों और ढोल-नगाड़ों के साथ उनकी अगवानी की। पूरा वातावरण गुरुवर के जयकारे से गुंजायमान हो उठा। मुनि संघ ने सबसे पहले नगर के जिनालयों (जैन मंदिरों) की वंदना की और भगवान के दर्शन किए।

मंगल देशना और गुरु भक्ति की बही बयार

जिनालय वंदना के बाद आयोजित धर्मसभा में पूज्य मुनि श्री निर्वेग सागर जी महाराज की ओजस्वी एवं मंगल देशना (प्रवचन) का लाभ समस्त धर्मप्रेमी बंधुओं को प्राप्त हुआ। मुनि श्री के प्रवचनों को सुनकर श्रोता भावविभोर हो गए। देशना की पूर्णाहुति के बाद उपस्थित जनसमुदाय द्वारा सामूहिक रूप से गुरु भक्ति की गई और सभी भक्तजनों ने मिलकर मुनि संघ की मंगल आरती उतारी। सकल दिगंबर जैन समाज के अध्यक्ष चौधरी कैलाश चंद्र ने साधु सेवा समिति के पदाधिकारी ऋषभ जैन को इस भव्य आयोजन की सफलता की जानकारी साझा की। अध्यक्ष चौधरी कैलाश चंद्र ने विशेष रूप से उल्लेख किया कि मुनि संघ की अगवानी, विहार और सुरक्षा व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में स्थानीय पुलिस और प्रशासन का बहुत ही सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। इस आयोजन के लिए संपूर्ण जैन समाज ने पुलिस प्रशासन का हृदय से आभार व्यक्त किया है।